The World as I See It

Activity 1: Comprehension

(A) Tick the correct alternative :

Question 1. Einstein.....class distinctions in the essay. "The Civilization of Today'.

(a) approves
(b) denounces
(c) both approves and disapproves
(d) appreciates

Answer: (b) denounces

Question 2. The direction of one's life, according to Einstein, is determined by :

(a) one's principles
(b) one's vision
(c) one's deeds
(d) one's profession

Answer: (a) one's principles

Question 3. In "The Civilization of Today Einstein advocates :

(a) democracy
(b) war and militarism
(c) dictatorship
(d) monarchy

Answer: (a) democracy

Activity 2 : Vocabulary

(A) Mach the words given in Column 'A' with their synonyms given in Column 'B':

Column 'A'	Column 'B'
freedom	hate
hardships	independence
abhor	difficulties
cradle	wonder
marvel	origin
abolished	show
pageant	eliminated

Answer:

Column 'A'	Column 'B'
freedom	independence
hardships	difficulties
abhor	hate
cradle	origin
marvel	wonder
abolished	eliminated
pageant	show

(B) Write the antonyms of the words enlisted below by adding appropriate affix :

Justify Human Experience
Expert Literate

Answer: Unjustify, Inhuman, Inexperience, Inexpert, Illiterate

Activity 3 : Grammar

Modals

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये
A man can do what he wants.
They must be able to choose their leaders.
I would rather be hacked in pieces.

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्दों को modals कहा जाता है जैसा कि आप जानते हैं। Be, do तथा have के अलावा सभी auxiliary verbs (सहायक क्रियाओं) को Modals कहा जाता है। अन्य सहायक क्रियाओं से भिन्न (विपरीत) Modals सिर्फ अपने helping form में ही प्रयोग किये जाते हैं (need, dare और used to के अलावा)। वे कभी भी मुख्य क्रियाओं की भाँति कार्य नहीं कर सकते। अंग्रेजी में सामान्यत: Modals हैं- can, could, may, might, must, shall, should, ought to, will, would, used to.

अब निम्नलिखित वाक्यों का अध्ययन करिये –

X He cans do it. X He mayed do it.
X He is maying.

उपर्युक्त सभी वाक्य व्याकरण के अनुसार सही नहीं हैं। क्योंकि अन्य शब्दों से भिन्न Modals के अन्त में -S, -ing, -ed नहीं लगते हैं।

Use of Can and Could

Can व Could का प्रयोग प्रार्थना, प्रस्ताव या सुझाव के लिये किया जाता है। उनका प्रयोग अनुमति देने यो अस्वीकार करने के लिये भी किया जाता है। Can का प्रयोग निम्नलिखित तरीके से भी होता है –
He can play tennis very well. (to express ability) (क्षमता बताने के लिए) Can you hear me ? (used with verbs of perception) (अनुभूति वाली क्रियाओं के साथ) Could, Can को past tense (भूतकाल) है। Could का कुछ अन्य दशाओं में प्रयोग निम्नलिखित प्रकार से होता हैTill last year I could read without glasses. (ability that existed in the past) (भूतकाल की क्षमता) You could do it if you tried hard. (possibility or uncertainty) (सम्भावना या अनिश्चितता)
Could I have a word with you? (polite **Question**)
(विनम्र प्रार्थना)
Use of May and Might
May का प्रयोग निम्नलिखित दशाओं में होता है
May I go home now ? (to seek permission) (अनुमति मांगने के लिए)
He may be elected the president. (possibility) (सम्भावना)
May God bless you! (wish/blessing) (शुभकामना/आशीर्वाद)
Use fertilizers so that you may have a good harvest. (purpose) (उद्देश्य)
Might, May का past tense (भूतकाल) है। Might के कुछ प्रयोग निम्नलिखित तरह से हैं
I might pass the exam. (a doubtful possibility) (एक संदेहास्पद सम्भावना)
Mahesh, you might have told me before. (to express gentle reproach) (हल्की सी झिड़की व्यक्त करना)
If I might make a suggestion, couldn't we take another route? (extreme politeness) (अत्यधिक विनम्रता)

Use of Will and Shall

Will और Shall दोनों का प्रयोग भविष्य के समय के संकेत के लिये किया जाता है। Shall का प्रयोग I person के साथ और Will का प्रयोग II person के साथ किया जाता है। फिर भी, जहाँ अर्थ में आज्ञा, आभार या दृढ़ता शामिल हो वहाँ इनके प्रयोग की स्थिति विपरीत हो जाती है। आजकल Shall की अपेक्षा will का अधिक प्रयोग किया जाता है, भविष्य के समय को दर्शाने के लिए Will का प्रयोग तीनों persons (I, II and III) के साथ अब आम बात है।
Shall का प्रयोग निम्नलिखित दशाओं में होता है :
I shall go tomorrow. Shall I close the door? Shall I tell him or shan't I?
It shall be done? You shall go if I say you must. will का प्रयोग निम्नलिखित दशाओं में होता है :
We will not surrender. (determination) (दृढ़निश्चय)
I will try to get you a job in my office. (promise) (वायदा)
I will teach him a lesson. (threat) (धमकी)
The train will leave at 10:30 p.m. (certainty) (निश्चिता)
Use of Would or Should
Would, Will of the Should, Shall al past tense है। Would व Should का प्रयोग Conditional Clauses में भी होता है जहाँ कि जोर काल्पनिक कार्य के परिणामों पर होता है या फिर उस स्थिति की ओर संकेत करने के लिये जो कि भविष्य में निश्चित रूप से घटेगी/होगी। If I continued smoking, I would die.

Should it rain, there will be no picnic today. Should का प्रयोग कर्त्तव्य या आभार प्रकट करने के लिये किया जाता है –
We should have given him a helping hand.
She would have her own way.
would का प्रयोग भूतकाल की रजामंदी/दृढ़-निश्चय/आदतन कार्य को व्यक्त करने के लिए भी किया जाता है :
The sparrows would come and pick up crumbs from my hand. Use of Must चाहे कोई भी tense या कर्ता का number व person हो, Must अपरिवर्तनीय रहता है। Must का प्रयोग निम्नलिखित दशाओं में होता है।
He must apologize for his mistake. (Compulsion/Duty) (बाध्यता/कर्तव्य)
We must get up early and start our own way. (Necessity) (आवश्यकता)
He must be mad to do this. (probability or likelihood) (सम्भावना या सम्भाव्यता)
You must insist on the latter choice. (strong determination) (दृढ़ निश्चय)
आप Ought(to), Used(to), Dare a Need on face में अगले पाठ में पढ़ेंगे।

Activity 4: Speech Activity

Everybody has a philosophy of life. What is yours? Do you follow it in your day to day life? Organize an interactive session and acquaint others with your philosophy of life.
प्रत्येक व्यक्ति का एक जीवनदर्शन होता है। आपको क्या है? क्या आप इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाते हैं? एक परिचर्चा आयोजित करिये और अन्य लोगों को अपने जीवनदर्शन के विषय में बतायें।

Answer: My Philosophy Towards Life:

Everybody has a philosophy. According to his philosophy he sets his ambition. A life without ambition and philosophy is like a boat without rudder or like a train without an engine. My philosophy towards life is to serve the people and mankind. In my view it is only animals that live for themselves. I want to do something for others that must be useful for whole species. I have great sympathy towards the weak, the old and the ill. For this purpose I would like to become a doctor. By becoming a doctor I will be able to serve everybody.

जीवन के प्रति मेरा नजरिया:

प्रत्येक व्यक्ति का जीवन के प्रति एक नजरिया होता है। अपने नजरिये के अनुसार ही वह अपनी महत्वाकांक्षा संजोता है। महत्वाकांक्षा तथा नजरिये के बगैर जीवन ऐसे होता है। जैसे बगैर पतवार की नाव या बगैर इंजन की ट्रेन। मेरा का समर्थन नहीं किया और लोगों को हमेशा शान्ति का संदेश दिया।

Answer the following **Question**s in 30 words each :

Question 1. According to Einstein, why do we people exist ? आइंस्टाइन के अनुसार हम लोगों का अस्तित्व क्यों है?

Answer: According to Einstein, we exist for others, first of all for those upon whose smiles and well-being our own happiness is wholly dependent and then for the many, unknown to us, to whose destinies we are bound by the ties of sympathy. आइंस्टाइन के अनुसार हमारा अस्तित्व दूसरों के लिये है, सबसे पहले उन लोगों के लिये जिनकी मुस्कान व हितों पर हमारी स्वयं की खुशी निर्भर होती है, फिर उन बहुत से अनजान लोगों के लिये जिनके भाग्यों से हम सहानुभूति के बंधनों से बंधे होते हैं।

Question 2. What is the writer's opinion about class distinctions ? वर्गभेद के विषय में लेखक का क्या विचार है?

Answer: The writer regards class distinction as unjustified. It is based on force. And he believes that a simple and unassuming life is good for everybody physically and mentally. लेखक वर्गभेद को अन्यायपूर्ण मानता है। यह शक्ति पर आधारित होती है। और उसका मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के लिये सादा व सरल जीवन शारीरिक व मानसिक रूप से अच्छा है।

Question 3. What are the ideals which have lighted Einstein's way ? वे कौन से आदर्श हैं जिन्होंने आइन्सटाइन के मार्ग को प्रकाशित किया है?

Answer: The ideals which have lighted his way are-kindness, beauty and truth. He feels that these ideals have lighted his way and have given him new courage to face life cheerfully. वे आदर्श जिन्होंने उसके मार्ग को प्रकाशित किया है वे हैं-दयालुता, सौन्दर्य व सत्य। वह महसूस करता है कि इन आदर्शों ने उसके मार्ग को रोशन किया है और जीवन का मुस्कुराकर सामना करने के लिये नया साहस दिया है।

Question 4. According to the writer what are the things that make one's life meaningful ? लेखक के अनुसार वे कौन सी चीजें हैं जो एक व्यक्ति के जीवन को अर्थपूर्ण बनाती हैं?

Answer: According to the writer, the sense of kinship with men of like mind, man's occupation with the objective world, and contribution in the field of art and scientific endeavors make one's life meaningful. लेखक के अनुसार समान विचारधारा वाले लोगों के साथ संबंध, उद्देश्यपरक दुनिया के साथ स्वयं को व्यस्त रखना, | और कला व विज्ञान के क्षेत्र में योगदान (देना) व्यक्ति के | जीवन को अर्थपूर्ण बनाते हैं।

Question 5. Why does the writer appreciate German political system ? लेखक जर्मनी की राजनीतिक व्यवस्था की प्रशंसा क्यों करता है?

Answer: The writer appreciates German political system for its more extensive provision. It makes extensive provision for its individuals in case of illness or need. It has concern for its people. लेखक जर्मनी की राजनीतिक व्यवस्था (प्रणाली) की प्रशंसा उसके अधिक विस्तृत प्रावधान के कारण करता है। यह व्यवस्था अपने लोगों की बीमारी या। आवश्यकता की दशा में अधिक विस्तृत प्रावधान करती है। यह अपने लोगों की फिक्र करती है।

Question 6. What is the writer's opinion about war? युद्ध के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं?

Answer: The 'writer abhors war or military system. He calls it a plague-spot of civilization and says that it ought to be abolished with all possible speed. War seems totally vile and despicable to him. लेखक युद्ध या सैन्य प्रणाली से| बेहद घृणा करता है। वह इसे सभ्यता पर कलंक या धब्बा मानता है और कहता है कि इसे जितना शीघ्र संभव हो सके जड़ से खत्म कर देना चाहिये। युद्ध उसे पूर्णतः दुष्टतापूर्ण| और घृणापूर्ण लगता है।

Question 7. What is absurd to the writer ? लेखक के लिये मूर्खतापूर्ण क्या है?

Answer: To struggle hard to understand the essential meaning or object of one's own life or that of all creatures always seems to the writer absurd from an objective point of view.

अपने स्वयं के या अन्य लोगों के जीवन के आवश्यक अर्थ या उद्देश्य को समझने के लिये कठिन संघर्ष करना उद्धेश्यपरक दृष्टिकोण से लेखक को मूर्खतापूर्ण (कार्य) लगता है।

Answer the following **Question**s in 60 words each :

Question 1. Why does the writer say "How strange is the lot of us mortals" ? लेखक क्यों कहता है। हम नश्वर लोगों का नसीब कितना अजीब हैं?

Answer: The writer says that the lot of us mortals is very strange because his opinion is that each of us is here for a short stay; for what purpose we don't know. One's inner and outer life is based on the hard work of other individuals. One exists for other people; first of all for those upon whose smiles and well being our own happiness is wholly dependent, and then for the many, unknown to us, to whose destinies we are bound sympathetically.

लेखक कहता है हम नश्वर लोगों का नसीब अत्यधिक अजीब है क्योंकि उसका विचार है कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति यहाँ एक संक्षिप्त प्रवास के लिये है; किस उद्देश्य से है, हम नहीं जानते। किसी भी व्यक्ति का आंतरिक वे बाहरी जीवन दूसरे लोगों के श्रम पर आधारित है। व्यक्ति दूसरे लोगों के लिये जीता है; सबसे पहले उन लोगों के लिये जिनकी मुस्कान और हितों पर हमारी स्वयं की खुशी निर्भर है, फिर उन बहुत से अनजान लोगों के लिये जिनके नसीबों से हम सहानुभूति के संबंधों से बंधे हैं।

Question 2. How was Schopenhauer's saying a source of inspiration for Einstein ? Schopenhauer की कहावत आइंस्टाइन के लिये प्रेरणा स्रोत कैसे थी? :

Answer: The German philosopher Schopenhauer's saying – A man can do what he wants, but not want what he wants', was a source of inspiration for Einstein all his life. He found these words a great source of consolation during complications of life. He felt that such a belief can eventually enable one to face life's hardships and maintain level of tolerance.

जर्मन दार्शनिक Schopenhauer की कहावत 'एक व्यक्ति जो चाहे वह कर सकता है लेकिन उसके पास उस चीज़ की कमी नहीं हो सकती जो वह चाहता है' आइंस्टीन के संपूर्ण जीवनकाल में एक प्रेरणा स्रोत रही। जीवन की जटिलताओं के दौरान ये शब्द उन्हें सांत्वना का एक महान स्रोत लगते थे। उन्होंने महसूस किया कि इस प्रकार का विश्वास व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के योग्य बनाता है और सहिष्णुता के स्तर को बनाये रखता है।

Question 3. What does the writer mean by 'empty life? Explain. 'खाली जीवन' से लेखक का आशय है? विस्तार से बताइये।

Answer: The writer believes that the direction of one's life is determined by one's principles. Kindness, beauty and truth have the power to light up one's life. Life means active life. not just being physically alive. Without kinship with like minded people, without being a part of the objective world, without being able to achieve in the field of art and science, life is meaningless. The writer calls this meaningless life as empty life.

लेखक का मानना है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन की दिशा उसके कुछ आदर्शो से निर्धारित होती है। दयालुता, सौन्दर्य व सत्य, (आदर्शों) में किसी के भी जीवन को प्रकाशित करने की ताकत होती है। जीवन का अर्थ है सक्रिय जीवन, सिर्फ शारीरिक रूप से जीवित होना नहीं। समान विचारधारा वाले लोगों से संबंध बनाये बिना, उद्देश्यपूर्ण दुनिया का हिस्सा बने बिना और कला व विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल किये बिना, जीवन व्यर्थ है। इस व्यर्थ जीवन को लेखक खाली जीवन कहता है।

Passage 1:

Read the following passage carefully and answer the **Question**s given below :
To inquire after the meaning or object of one's own existence or that of all creatures has always seemed to me absurd from an objective point of view. And yet everybody has certain ideals which determine the direction of his endeavour and his judgments. In this sense I have never looked upon ease and happiness as ends in themselves – this ethical basis I call the ideal of a pigsty. The ideals which have lighted my way, and time after time have given me new courage to face life cheerfully, have been Kindness, Beauty, and Truth. Without the sense of kinship with men of like mind, without the occupation with the objective world, the eternally unattainable in the field of art and scientific endeavours, life would have seemed to me empty. The trite objects of human efforts, possessions, outward success, luxury – have always seemed to be contemptible.

My political ideal is democracy. Let every man be respected as an individual and no man idolized. It is an irony of fate that I myself have been the recipient of excessive admiration and reverence from my fellow beings, through no fault, and no merit, of my own. The cause of this may well be the desire, unattainable for many, to understand the few ideas to which I have with my feeble powers attained through ceaseless struggle.

1. What seems absurd to the writer ?
लेखक को क्या मूर्खतापूर्ण लगता है?

2. According to the writer, what determines the direction of one's life?
लेखक के अनुसार किसी व्यक्ति के जीवन की दिशा को कौन निर्धारित करता है?

3. What are the ideals that have lighted the writer's way ?
वे कौन से आदर्श हैं जिन्होंने लेखक के मार्ग को प्रशस्त किया है?

4. What does the writer mean by 'empty life' ?
'काली जीवन' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

5. What, according to the writer, is the common object of human life ?
लेखक के अनुसार मानव जीवन का सामान्य उद्देश्य क्या है?

6. What is contemptible to the writer ?
लेखक के लिये तिरस्कृत क्या है?

7. What is the writer's political ideal ?
लेखक का राजनीतिक आदर्श क्या है?

8. What kind of democracy does the writer advocate ?
लेखक किस प्रकार के लोकतंत्र का समर्थन करता है?

9. Pick out the word from the passage which is opposite to 'economy.

10. Select from the passage the word which means "the ability to make sound decision'.

Answers: 1. To try to know the meaning and object of one's own existence or that of other creatures seems absurd to the writer. अपने स्वयं के या अन्य जीवों के अस्तित्व का अर्थ और उद्देश्य जानने का प्रयास करना लेखक को मूर्खतापूर्ण लगता है।

2. According to the writer certain ideals that everybody has, determine the direction of one's life. लेखक के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के कुछ निश्चित आदर्श होते हैं जो उसके जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं।

3. Kindness, Beauty and Truth are the ideals that have lighted the writer's way.
दयालुता, सौन्दर्य व सत्य वे आदर्श हैं जिन्होंने लेखक के मार्ग को प्रशस्त (रोशन) किया है।

4. By empty life' the writer means the life without kinship with like minded men, without an object of life and no achievement in the field of art and science.
'खाली जीवन' से लेखक का आशये उस जीवन से है जिसमें समान मस्तिष्क वाले लोगों से संबंध न हो, जीवन उद्देश्यहीन हो, और कला व विज्ञान के क्षेत्र में कोई उपलब्धि न हो।

5. According to the writer, common object of human life is-possessions, outward success and luxury. लेखक के अनसार मानव जीवन का सामान्य उद्देश्य है-संपत्ति, बाहरी सफलता और विलासिता।

6. The common object of human life possessions, outward success and luxury are contemptible to the writer. मानव जीवन का सामान्य उद्देश्य-संपत्ति, बाहरी सफलता और विलासिता, लेखक के लिये तिरस्कृत है।

7. The writer's political ideal is democracy. लेखक का राजनीतिक आदर्श है लोकतंत्र

8. The writer advocates democracy in true sense where every man is respected as an individual and no man is idolized. लेखक वास्तविक अर्थ में लोकतंत्र का समर्थन करता है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान हो एक व्यक्ति के रूप में, और किसी एक व्यक्ति को श्रद्धेय न समझा जाये।

9. luxury

10. judgement

Passage 2:

An autocratic system of coercion, in my opinion, soon degenerates. For force always attracts men of low morality, and I believe it to be an invariable rule that tyrants of genius are succeeded by scoundrels. For this reason I have always been passionately opposed to system such as we see in Italy and Russia today. The thing that has brought discredit upon the form or democracy as it exists in Europe today is not to be laid to the door of the democratic principle as such, but to the lack of stability of governments and to the impersonal character of the electoral system. I believe that in this respect the United States of America have found the right way.

They have a President who is elected for a sufficiently long period and has sufficient powers really to exercise his responsibility. What I value, on the other hand, in the German political system is the more extensive provision that it makes for the individual in case of illness or need. The really valuable thing in the pageant of human life seems to me not the political state, but the creative, sentient individual, the personality; it alone creates the noble and the sublime, while the herd as such remains dull in thought and dull in feeling.

1. What does the writer say about the tyrants of genius ?
प्रतिभाशाली दुष्ट लोगों के संबंध में लेखक क्या कहता है?

2. What has brought discredit upon the democracy ?
लुखतंत्र को किसी चीज ने कलंकित (बदनाम) किया है?

3. According to the writer, who has found the right way?
लेखक के अनुसार किसने सही रास्ता अपनाया है?

4. Why does the writer appreciate the political system in the United States of America ?
लेखक संयुक्त राज्य अमेरिका की राजनीतिक प्रणाली की प्रशंसा क्यों करता है?

5. Why does the writer appreciate the political system in Germany ?
लेखक जर्मनी की राजनीतिक प्रणाली की प्रशंसा क्यों करता है?

6. According to the writer what is the really valuable thing in the pageant of human life?
लेखक के अनुसार मानव जीवन के सजावटी जुलूस में क्या चीज वास्तविक रूप से मूल्यवान है?

7. What is the writer's view about the herd ?
झुण्ड (भीड़) के सम्बन्ध में लेखक का क्या विचार है?

8. What creates the noble and sublime ?
चीज महान व उदात्त बनाती है?

9. Pick out the word from the passage which is opposite to 'not enough'.

10. Make the plural forms of the following:
(a) character
(b) personality

Answers: 1. The writer says that tyrants of genius are succeeded by scoundrels.
लेखक कहता है कि प्रतिभाशाली तानाशाह लोगों के बाद दुष्ट लोग आते हैं।

2. Unstability of government and impersonal character of the electoral system has brought discredit upon the democracy.
सरकार की अस्थिरता और निर्वाचन तंत्र के अव्यक्तिगत चरित्र ने लोकतंत्र को बदनाम किया है।

3. According to the writer, the United States of America have found the right way.
ले खाक . के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका ने सही रास्ता अपनाया है।

4. The writer appreciates it because they have a President who is elected for a sufficiently long period and has enough powers.
लेखक इसकी प्रशंसा करता है क्योंकि उनके यहाँ राष्ट्रपति होता है। जो कि पर्याप्त रूप से दीर्घकाल के लिये निर्वाचित होता है। और उसके पास पर्याप्त शक्तियाँ होती हैं।

5. The writer appreciates the German political system because it has more extensive provision for its individuals in case of illness or need.
लेखक जर्मनी की राजनीतिक व्यवस्था की प्रशंसा करता है क्योंकि यह अपने नागरिकों की बीमारी व आवश्यकता की स्थिति में अधिक विस्तृत व्यवस्था करता

6. According to the writer, it is creative, sentient individual, personality, that is really valuable in the pageant of human life.
लेखक के अनुसार रचनात्मक, संवेदनशील व्यक्ति, व्यक्तित्व है जो मानव जीवन के सजावटी जुलूस में वास्तविक रूप से मूल्यवान है।

7. The writer's views is that herd remains dull in thoughts and dull in feelings.
लेखक का विचार है कि झुण्ड (भीड़) विचारों और भावनाओं में सुस्त (मन्द) होता है।

8. The creative, sentient individual, the personality creates the noble and sublime.
रचनात्मक, संवेदनशील व्यक्ति, व्यक्तित्व महान व उदात्त को बनाते हैं।

9. sufficient

10. (a) characters, (b) personalities

Passage 3:

The topic brings me to that worst outcrop of herd life, this military system, which I abhor. That a man can take pleasure in marching in fours to the strains of a band is enough to make me despise him. He has only been given his big brain by mistake; unprotected spinal marrow was all he needed. This plague-spot of civilization ought to be abolished with all possible speed. How vile and despicable seems war to me! I would rather be hacked in pieces than take part in such an abominable business.

My opinion of the human race is high enough that I believe this bogey would have disappeared long ago, had the sound sense of the peoples not been systematically corrupted by commercial and political interests acting through the schools and the Press. The most beautiful experience we can have is the mysterious. It is the fundamental emotion which stands at the cradle of true and true science. Whoever does not know it and can no longer wonder, no longer marvel, is as good as dead and his eyes are dimmed.

1. What does the writer hate ?
लेखक किससे घृणा करता है?

2. What is enough to make the writer hate a person ?
एक व्यक्ति से घृणा करने के लिये लेखक के लिये क्या पर्याप्त है?

3. According to the writer what has happened due to mistake ?
लेखक के अनुसार गलती से क्या हो गया है?

4. What was needed by such a man ?
ऐसे एक व्यक्ति को किसकी आवश्यकता थी?

5. According to the writer, what should be abolished at the earliest?
लेखक के अनुसार किसे अतिशीघ्र जड़ से समाप्त कर देना चाहिए?

6. What does the writer say about war?
लेखक युद्ध के सम्बन्ध में क्या कहता है?

7. What does the writer mean by 'an abominable business'?
'घृणित कार्य से लेखक का क्या अभिप्राय है?

8. What has corrupted man's mind?
व्यक्ति के मस्तिष्क को किसने भ्रष्ट कर दिया है?

9. Pick out from the passage the word which is opposite to 'best'.

10. Select from the passage the word which means 'feeling of satisfaction and enjoyment'.

Answers: 1. The writer hates war or military system. लेखक युद्ध अथवा सैन्य प्रणाली से घृणा करता है।

2. A man marching to the strains of a band is enough to make the writer hate him.
बैन्ड की धुन पर मार्च (कदमताल) करता एक व्यक्ति पर्याप्त है। लेखक के लिये उससे घृणा करने के लिये।

3. According to the writer, man has only been given his big brain by mistake.
लेखक के अनुसार मनुष्य को एक बड़ा सा मस्तिष्क सिर्फ गलती से मिल गया है।

4. Such a man needed just an unprotected spinal marrow.
ऐसे एक व्यक्ति को सिर्फ एक असंरक्षित मेरुदण्ड की आवश्यकता थी।

5. According to the writer, curse of war should be abolished at the earliest.
लेखक के अनुसार युद्ध के अभिशाप को अतिशीघ्र जड़ से समाप्त कर देना चाहिए।

6. The writer says that war seems to him very vile and despicable.
लेखक कहता है कि उसे युद्ध बेहद दुष्ट और घृणित लगता है।

7. By an abominable business, the writer means war which he hates very much.
'घृणित कार्य' से लेखक का अभिप्राय युद्ध से है जिससे कि वह अत्यन्त घृणा करता है।

8. Commercial and political interests have corrupted man's mind.
व्यावसायिक व राजनीतिक स्वार्थों ने मानव मस्तिष्क को भ्रष्ट कर दिया है।

9. worst
10. pleasure

Word-meanings and Hindi Translation

How strange ..... mentally. (Page 66)

Word-meanings : lot (लॉट) = destiny, भाग्य। mortals (मॉटल्ज़) = मनुष्यों। sojourn (सॅजन्) = संक्षिप्त प्रवास। senses (सेन्सिज़) = जानना। reflection (रिफ्लेक्शन) = चिंतन। exists (इग्ज़िस्ट्स) = अस्तित्व में होना, जीवित रहना। destinies (डेस्टनिज़) = नियति, भाग्य। bound (बाउन्ड्) = बंधे होना। ties (टाइज़) = संबंधों। exert (इग्ज़:ट) = सक्रिय प्रयास करना। measure (मेशर) = मात्रा। drawn (ड्रॉन्) = बना होना। frugal (फ्रूगल) = सीधा-सादा। oppressively (अप्रेसिवलि) = अत्यधिक। engrossing (इन्ग्रोसिंग्) = पूरी तरह लाभ उठाना। undue (अन्ड्यू) = आवश्यकता से अधिक। class distinction (क्लास डिस्टिंक्शन) = वर्ग-भेद। unassuming (अन्अज्यूमिंग) = दिखावा रहित, सरल।

हिन्दी अनुवाद-हम नश्वर मनुष्यों का भाग्य भी कितना अजीब है! हममें से प्रत्येक व्यक्ति यहाँ (पृथ्वी पर) संक्षिप्त प्रवास के लिये है; उसे भी नहीं पता कि किस उद्देश्य के लिये वह यहाँ है, यद्यपि वह कभी-कभी सोचता है कि वह जानता है। लेकिन बिना गहरे चिंतन के व्यक्ति अपने दैनिक जीवन के आधार पर जानता है कि वह सबसे पहले उन दूसरे लोगों के लिये जीता है जिनकी मुस्कान और जिनके हित पर हमारी खुशी पूर्ण रूप से निर्भर है, उसके बाद फिर अन्य बहुत से लोगों के लिये जो कि हमारे लिये अपरिचित हैं, . जिनकी नियति (भाग्य) के साथ हम सहानुभूति के संबंधों से बंधे हैं। प्रत्येक दिन सौ बार मैं स्वयं को याद दिलाता हूँ कि मेरी भीतरी और बाहरी जिंदगी (दोनों) दूसरे लोगों जा जीवित हैं या मर चुके हैं के श्रम पर आधारित है, और दूसरों को देने के लिये मुझे भी उतना ही प्रयास करना चाहिये जितना कि मैंने लोगों से प्राप्त किया है या अब भी प्राप्त कर रहा हूँ। मैं एकदम सीधी सादी जिंदगी जीने के लिये बना हूँ और अक्सर मैं इस बात के प्रति अत्यधिक जागरुक हूँ (जानता हूँ) कि अपने साथियों के श्रम का आवश्यकता से अधिक लाभ उठा रहा हूँ। मैं वर्ग भेद को अन्याय युक्त और अन्ततः शक्ति पर आधारित मानता हूँ। मैं यह भी विश्वास करता हूँ कि एक सादा और सरल जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिये शारीरिक व मानसिक (दोनों) रूप से अच्छा होता है।

I do ..... contemptible. (Page 66)

Word-meanings : compulsion (कम्पल्शन) = अनिवार्यता। in accordance with (इन अकॉड्न्स विद्) = के अनुसार। continual (कॅटिन्यूअल) = सतत। consolation (कॉन्सोलेशन) = सांत्वना। unfailing (अन्फैलिंग) = सफल। tolerance (टॉलरन्स्) = सहिष्णुता। well-spring (वेल् स्प्रिंग) = स्रोत। mercifully (म:सिफ़लि) = दयालुता के साथ। mitigates (मिटिगेट्स) = कम या धीमा करता है। conducive (कनड्यूसिव) = सहायक। inquire after (इन्काइअर आफ्ट) = अनुसंधान करना। existence (इज़िस्टन्स्) = अस्तित्व। determine (डिटमिन्) = निर्धारित करना। endeavor (इन्डेवर) = प्रयास। ease (ईज़्) = आराम। ethical (एथिकल) = नैतिक। pigsty (पिग्स्टि) = सुअरों के लिए बना बाड़ा। kinship (किन्शिप्) = संबंध। occupation (ऑक्युपेशन्) = व्यस्त। eternally (इटॅनलि) = निरंतर। unattainable (अनअटेनब्ल) – अप्राप्य (हासिल न कर पाना)। possession (पजेशन) = संपत्ति। contemptible (कन्टेम्प्टबल) = तुच्छ। trite (ट्राइट) = घिसा-पिटा।

हिन्दी अनुवाद-दार्शनिक अर्थ में मैं मानव स्वतंत्रता में बिल्कुल भी विश्वास नहीं करता हूँ। प्रत्येक व्यक्ति न सिर्फ बाहरी अनिवार्यता से कार्य करता है बल्कि आंतरिक आवश्यकता के अनुसार भी करता है। Schopenhauer का कथन (कहावत)-'एक व्यक्ति जो चाहे वह कर सकता है, लेकिन उसे उस चीज की कमी नहीं हो सकती जो वह चाहता है।' मेरी युवावस्था से ही मेरे लिये बेहद वास्तविक प्रेरणा रहा है; मेरी स्वयं की और अन्य दूसरे लोगों के जीवन के कठोर कष्टों के दौरान यह एक सतत् सांत्वना और सहिष्णुता का सफल स्रोत रहा है। यह भाव आसानी से शक्तिहीन होते हुये उत्तरदायित्व के भाव को दयालुतापूर्वक कम करता है और हमें स्वयं को व अन्य सभी लोगों को अत्यधिक गंभीरता से लेने को रोकता है; यह जीवन के लिये लाभदायक है, विशेष नजरिये से यह जीवन में आवश्यक हास्य प्रदान करता है। किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं के या अन्य सभी प्राणियों के अस्तित्व (जीवन) के अर्थ या उद्देश्य के विषय में जानना मुझे उद्देश्यपरक दृष्टिकोण से हमेशा मूर्खतापूर्ण लगा है। फिर भी प्रत्येक व्यक्ति के कुछ निश्चित आदर्श होते हैं जो कि उसके प्रयासों और उसके निर्णयों की दिशा को निर्धारित करते हैं। इस अर्थ में मैंने आराम और खुशी को स्वयं लक्ष्यों के रूप में कभी नहीं देखा है (आराम व खुशी स्वयं में लक्ष्य नहीं हैं) – इस नैतिक आधार को मैं

सुअरों के एक बाड़े का आदर्श कहता हूँ। जिन आदर्शों ने मेरे मार्ग (जीवन) को प्रकाशित किया है और बार-बार जीवन की कठिनाइयों का मुस्कुराते हुये सामना करने का नया साहस दिया है वे हैं-दयालुता, सौन्दर्य और सत्य। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ संबंधों के बिना, उद्देश्यपरक दुनिया के साथ व्यस्त हुये बिना, कला और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर कुछ भी हासिल नहीं होने पर जीवन मुझे खाली (व्यर्थ) लगता। मनुष्य के प्रयासों के घिसे-पिटे उद्देश्य, संपत्ति, बाहरी सफलता, विलासिता – हमेशा मुझे तुच्छ लगे हैं।

My passionate ..... feeling. (Pages 66-67)

Word-meanings : passionate (पैशनेट) = तीव्र भावना। contrasted (कन्ट्रैस्टड) = विपरीत। oddly (ऑड्लि) = अजीब तरीके से। solitude (सॉलिट्यूड) = एकांत, अकेलापन, एकाकीपन। sharply (शा:प्लि) = शीघ्रता से। regret (रिग्रेट) = अफसोस। mutual (म्यूचुअल) = आपसी। consonance (कान्सनन्स) = (स्वर का) मेल, समस्वरता, तालमेल। unconcern (अन्कन्सर्न) = बेफिक्री। temptation (टेम्प्टेशन) = लालच। equilibrium (इक्विलिब्रियम) = संतुलन। foundations (फाउन्डेशन्ज) = मूल सिद्धान्तों। idolized (आइडलाइज्ड) = अत्यधिक सम्मान या प्रशंसा (की जानी चाहिए)। recipient (रेसिपीअन्ट) = प्राप्त करने वाला। admiration (ऐड्मरेशन) = प्रशंसा। reverence (रेवरेन्स) = श्रद्धा। unattainable (अनटेनबल) = हासिल ना कर पाना। ceaseless (सीसल्स) = लगातार, निरन्तर। coerced (कोस्ड) = compelled, मजबूर किये। degenerates (डिजेनरेट्स) = पतन होना। led (लेड्) = निर्देशित। autocratic (ऑटोक्रेटिक) = निरंकुश। invariable (इन्वेरीअबल) = स्थिर, अपरिवर्तनिय। tyrant (टाइरन्ट) = तानाशाह। succeeded (सक्सीडिड) = की जगह ली। passionately (पैशनट्लि) = आवेश में आकर discredit (डिस्क्रेडिट) = बदनाम। stability (स्टबिलिटि) = स्थिरता। impersonal (इम्पसनल) = अवैयक्तिक। electoral (इलेक्टरल) = निर्वाचन। exercise (एक्ससाइज़) = इस्तेमाल करना। extensive (इक्स्टेन्सिव) = विस्तृत। provision (प्रविशन) = प्रावधान। pageant (पैजन्ट) = सजीला जुलूस। sentient (सेन्टिअन्ट) = संवेदनशील। sublime (सब्लाइम) = उदात्त। herd (ह:ड) = भीड़।

हिन्दी अनुवाद-सामाजिक न्याय और सामाजिक उत्तरदायित्व की मेरी तीव्र भावना दूसरे लोगों और मानव समुदायों के साथ सीधे संपर्क बनाने की आवश्यकता के मेरे स्पष्ट अभाव से हमेशा अजीब ढंग से विपरीत रही है। मैं वास्तव में एक अकेला यात्री हूँ और मैं पूर्णरूप से कभी भी अपने देश, अपने घर, अपने मित्रों या फिर अपने वर्तमान परिवार तक का नहीं रहा हूँ; इन सभी संबंधों के बावजूद भी मैंने कभी भी दूरी की भावना और एकाकी भावनाओं की जरूरत, जो कि समय के साथ और बढ़ जाती है, को कभी नहीं खोया है। व्यक्ति पूर्ण रूप से जान जाता है लेकिन आपसी समझ की सीमाओं और अन्य लोगों के साथ तालमेल के बगैर अफसोस के साथ। निसंदेह, ऐसा व्यक्ति अपनी कुछ मासूमियत और बेफिक्री के स्वभाव को खो देता है; दसरी ओर वह अपने साथियों के विचारों, आदतों और निर्णयों के प्रति अत्यधिक आत्मनिर्भर होता है और इस प्रकार के असुरक्षित मूल सिद्धान्तों पर अपने आंतरिक संतुलन को बनाने के लालच से बचता है। मेरा राजनीतिक आदर्श है लोकतंत्र। प्रत्येक व्यक्ति का एक व्यक्ति के रूप में सम्मान होना चाहिये और किसी एक व्यक्ति का अत्यधिक सम्मान या प्रशंसा नहीं की जानी चाहिये। यह भाग्य की विडम्बना है कि मैं स्वयं अपने साथियों से अपने स्वयं की न तो कमियों और न ही गुणों के माध्यम से अत्यधिक प्रशंसा और श्रद्धा प्राप्त करने वाला रहा हूँ। इसका उचित कारण (मेरी) इच्छा हो सकती है, जिसे बहुत से लोग हासिल

नहीं कर पाते हैं, कुछ विचारों को समझने के लिये (इच्छा) जिसके लिये मैं अपनी कमजोर शक्तियों के साथ निरंतर संघर्षशील रहा (अर्थात निरंतर संघर्ष के माध्यम से प्राप्त किया)। मैं यह अच्छी प्रकार जानता हूँ कि किसी भी संगठन के उद्देश्य (लक्ष्य) को प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि व्यक्ति को चिंतन और निर्देशन करना चाहिये और सामान्यतः उत्तरदायित्व निभाना चाहिये। लेकिन निर्देशितों (मार्गदर्शितों) को मजबूर नहीं किया जाना चाहिये, उन्हें अपने नेता का चुनाव करने में सक्षम होना चाहिये। मेरे विचार में बल प्रयोग की निरंकुश प्रणाली (व्यवस्था) का शीघ्र ही पतन हो जाता है। क्योंकि बल प्रयोग हमेशा निम्न नैतिकता वाले लोगों को (ही) आकर्षित करता है, और मैं इसे एक स्थायी नियम मानता हूँ कि प्रतिभाशाली तानाशाहों का स्थान बाद में बदमाशों द्वारा ले लिया जाता है। इस कारण से इस प्रकार की प्रणालियों का, जैसा कि हम आज इटली और रूस में देखते हैं, हमेशा मैंने कड़ा विरोध किया है। वह चीज जिसने लोकतंत्र के स्वरूप, जैसा कि आज यूरोप में है, को बदनाम (अविश्वासपूर्ण) किया है वह वास्तव में लोकतांत्रिक सिद्धान्त का द्वार नहीं बल्कि सरकारों के स्थायित्व का अभाव (अस्थिरता) और निर्वाचन प्रणाली का अवैयक्तिक चरित्र है। मैं मानता हूँ कि इस मायने में संयुक्त राज्य अमेरिका ने सही रास्ता खोजा है। उनके यहाँ एक राष्ट्रपति होता है जो कि पर्याप्त लम्बे समय के लिये चुना जाता है और अपने उत्तरदायित्व को निभाने के लिये वास्तव में उसके पास पर्याप्त शक्तियाँ होती हैं। दूसरी ओर जर्मनी की राजनीतिक व्यवस्था में मैं जिस बात को अच्छा मानता हूँ वह है यहाँ की अधिक विस्तृत व्यवस्था जो यह अपने लोगों को उनकी बीमारी या जरूरत की स्थिति में प्रदान करती है। मनुष्य के जीवन के सजावटी जुलूस में वास्तविक रूप से मूल्यवान (महत्त्वपूर्ण) चीज जो मुझे दिखती है वह राजनीतिक राज्य नहीं बल्कि रचनात्मक संवेदनशील व्यक्ति, व्यक्तित्व है; यह अकेला ही महान और उदात्त (व्यक्ति). बनाता है, जबकि झुण्ड (भीड़) विचार और भावना में सुस्त (मन्द) रहता है।

The topic ..... in nature. (Pages 67-68)

Word-meanings : outcrop (34737979) = स्पष्टीकरण। herd life (हःड लाइफ) = झुण्ड जीवन (उद्देश्यहीन लोगों की भीड़)। abhor (अब्हॉ) = घृणा करना। marching (माचिंग) = कदमताल करना। . strains of band (स्ट्रेन्ज़ ऑव बैण्ड) = बैण्ड की धुन। despise (डेस्पाइज़) = घृणा करना। spinal (स्पाइनल) = मेरूदण्ड। marrow (मैरो) = मज्जा। plague-spot (प्लेग-स्पॉट) = माहमारी रूपी धब्बे। abolished (अबॉलिश्ट) = समाप्त करना। vile (वाइल) = wicked, दुष्ट। despicable (डेस्पिकेबल्) = घृणापूर्ण या तिरस्कार योग्य। hacked (हैक्ट) = to cut, काटना। abominable (अबॉमिनेबल्) = घृणित, घृणा पैदा करने वाला। bogey (बोगि) = शैतान। sound sense (साउन्ड सेन्स) = अच्छी समझ। corrupted (कॅरप्टिड) = भ्रष्ट। cradle (क्रेडल) = ढाँचा। wonder (वन्डर) = जानने की इच्छा। marvel (मा:वल) = आश्चर्य करना। dimmed (डिम्ड) = मंद होना। mystery (मिस्ट्री) = रहस्य। engendered (एन्जेन्डर्ड) = जन्म दिया। existence (इग्ज़िस्टन्स) = अस्तित्व। penetrate (पैनिट्रेट) = अर्थ या सत्य जानना। perceptions (प:सेप्शन्ज़) = बोध या अनुभव। profoundest (प्रफ़ाउण्डिस्ट) = deepest, गंभीरतम। radiant (रेडिअन्ट) = कांति, चमक। primitive (प्रिमिटिव) = ancient, प्राचीन। accessible (ऐक्सेसब्ल) = पहुँच। constitute (कान्स्टिट्यूट) = बनाते हैं। conceive (कन्सीव) = कल्पना करना। survives (स:वाइज्) = बचना। feeble (फीबल्) = कमजोर। absurd (एब्स:ड) = मूर्खतापूर्ण। egoism (ईगोइज़ूम) = अहंकार। cherish (चेरिश) = पनपने देना। eternity (इटर्निटि) = अनन्तता। glimpse (ग्लिम्प्स) = झलक। marvelous (मा:वलस) = शानदार। existing (इग्ज़िस्टिंग) = वर्तमान। devoted (डिवोटिड) = समर्पित। striving (स्ट्राइविंग) = प्रयास करना। comprehend (कॉम्प्रिहेन्ड) = समझना।

हिन्दी अनुवाद-यह विषय मुझे झुण्ड जीवन (उद्देश्यहीन लोगों की भीड़) के उस सबसे बदतर स्पष्टीकरण, सैन्य प्रणाली के समक्ष ले आता है जिससे मैं घृणा करता हूँ। (वह प्रणाली जिसमें कि) कोई व्यक्ति चार के समूह में बैन्ड की लय पर कदमताल करने में आनन्दित हो सकता है, मेरे उससे घृणा करने के लिये यही पर्याप्त है। उसे तो सिर्फ गलती से उसका बड़ा-सा मस्तिष्क दे दिया गया; उसे (तो) सिर्फ असंरक्षित मेरुदण्ड की जरूरत थी। सभ्यता के इस प्लेग (महामारी) रूपी धब्बे को हर संभव गति के साथ समाप्त कर देना चाहिये। मुझे युद्ध कितना दुष्ट (दुष्टतापूर्ण) और घृणित लगता है! इस प्रकार के घृणित कार्य में शामिल होने के बजाय मैं टुकड़ों में कट जाना बेहतर समझूगा। मनुष्य जाति के विषय में मेरा विचार पर्याप्त उच्च है, मेरा विश्वास है कि यह शैतान (युद्ध का अभिशाप) बहुत पहले ही गायब (खत्म) हो गया होता यदि लोगों की अच्छी समझ (सोच) को राजनीतिक व व्यावसायिक हितों द्वारा विद्यालयों तथा प्रेस के माध्यम से कार्य करते हुए व्यवस्थित ढंग से भ्रष्ट नहीं किया गया होता।। सबसे खूबसूत अनुभव जो हमें हो सकता है वह रहस्यमय है। यह वह मौलिक भावना है जो वास्तविक कला व वास्तविक विज्ञान के ढाँचे पर आधारित है। जो कोई भी इसे नहीं जानता, और अब और अधिक जानने की इच्छा भी नहीं कर सकता तथा आश्चर्य भी नहीं कर सकता, वह उतना ही अच्छा है जितना कि एक मृत व्यक्ति और जिसकी आँखें मंद होती हैं। यह रहस्य का अनुभव था – भले ही भयभीत हो-जिसने धर्म को जन्म दिया। किसी के अस्तित्व का ज्ञान जिसे हम नहीं समझ सकते, सबसे गहरे कारण के विषय में हमारा ज्ञान (बोध या धारणा) और सर्वाधिक दीप्तमान खूबसूरती जिन तक कि सिर्फ उनके प्राचीनतम रूपों (प्रकारों) में ही हम पहुँच (समझ) सकते हैं- यही वह ज्ञान और यही भावना है जो सच्ची धार्मिकता को बनाते हैं; इस अर्थ में, और केवल इसी अर्थ में मैं एक अत्यंत धार्मिक व्यक्ति हूँ। मैं उस ईश्वर की कल्पना नहीं कर सकता (उसके विषय में नहीं समझ सकता) जो अपने बनाये प्राणियों (जीवों) को पुरस्कृत और दण्डित करता है, या इस प्रकार की इच्छा रखता है जैसी कि हम स्वयं अपने आप में अनुभव करते हैं। न मैं कर सकता हूँ, न ही मैं ऐसे व्यक्ति को अपने अंदर पनपने देना चाहूँगा जो अपनी शारीरिक मृत्यु से बच जाता है; ऐसी कमजोर आत्माओं को (ही), आंसुओं से या मूर्खतापूर्ण अहंकार से, ऐसे विचारों को (अपने अंदर) पनपने दीजिये। मैं जीवन की अनंतता के रहस्य और वर्तमान दुनिया के शानदार ढाँचे की जानकारी तथा झलक से संतुष्ट हूँ, (अपने) उस समर्पित प्रयास के साथ जो कि (उस) कारण के एक भाग या हिस्से, जो कि प्रकृति में स्वयंसिद्ध (स्पष्ट) है, चाहे कितना भी सूक्ष्म हो, को समझने के लिये है।